FREEMIND

Date

Page

विषय- हिन्दी I
कक्षा - 7

पाठ-3 हिमालय की बेटियाँ

शब्द	अर्थ
संभ्रांत	कुलीन
भाव-भंगी	हाव-भाव
विस्मय	आश्चर्य
विराट	बहुत बड़ा
सरसब्ज़	हरा-भरा
उपत्काएँ	पहाड़ के पास की भूमि, घाटी
प्रवाहित	बहना
अतृप्त	संतुष्ट न होना
प्रतिदान	लौटाना
सचेतन	सजीव
हर्ज	हानि, नुकसान
उचट	उदास
लुभावना	आकर्षित

प्रश्न- उत्तर

प्रश्न- नदियों को माँ मानने की परम्परा हमारे यहाँ काफी पुरानी है। लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?

Scanned with CamScanner

उत्तर- नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफी पुरानी है, लेकिन लेखक नागार्जुन ने उन्हें माँ बेटी दादी, मौसी, बहन, मामी के रूप में देखते हैं।

प्रश्न-2 मैदानों तक आते-आते नदियों का कौन-सा रूप गायब हो जाता है?

उत्तर- मैदानों तक आते-आते नदियों की उल्लास और चंचलता गायब हो जाती है।

प्रश्न-3 नदियाँ कहाँ अठखेलियाँ करती हुई दिखाई पड़ती है?

उत्तर- नदियाँ हिमालय की गोद में अठखेलियाँ करती हुई दिखाई पड़ती है।

प्रश्न-4 पिता के घर नदियों का रूप और स्वभाव कैसा होता है?

उत्तर- पिता के घर नदियाँ दुबली-पतली धारा के रूप में दिखाई पड़ती है, और उनके स्वभाव में चंचलता होती है।

प्रश्न-5 हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है?

उत्तर- हिमालय की यात्रा में लेखक ने नदियों, पर्वतों बर्फीली पहाड़ियों हरी-भरी घाटियों गहरी गुफाओं वनों तथा

Scanned with CamScanner

FREEMIND
Date
Page

सागरों की प्रशंसा की है।

प्रश्न 6 लेखक ने मैदानी इलाकों की नदियों को किनके समान बताया है?

उत्तर लेखक ने मैदानी इलाकों की नदियों को संभ्रांत महिला के समान बताया है। लेखक नदियों को माता स्वरूप कहता है क्योंकि वह नदियों के प्रति सम्मान का भाव रखता है।

प्रश्न- 7 सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई है?

उत्तर. सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय की दो ऐसी नदियाँ हैं, जिन्हें ऐतिहासिकता के आधार पर पुल्लिंग रूप में नद भी माना गया है कहा जाता है कि ये दो ऐसी नदियाँ हैं जो दयालु हिमालय के पिघले हुए दिल की एक-एक बूँद से निर्मित हुई है। इनका रूप विशाल और विराट है इनका रूप लुभावना है। कि सौभाग्यशाली समुद्र भी पर्वतराज हिमालय की इनदो बेटियों का हाथ थामने पर गर्व महसूस करता है।

प्रश्न-8 काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उत्तर- काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा है,

Scanned with CamScanner

(4)

क्योंकि नदियाँ अपने जल से निरन्तर पालन-पोषण उसी प्रकार करती रही है। जैसे- माता अपनी संतान का करती है।

Scanned with CamScanner